

Chapter: 1 to 11

विभाग १ - गद्य : 20 अंक

Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

टाँग से ज्यादा फिक्र मुझे उन लोगों की हुई जो हमदर्दी जताने मुझसे मिलने आएँगे। ये मिलने-जुलने वाले कई बार इतने अधिक आते हैं और कभी-कभी इतना परेशान करते हैं कि मरीज का आराम हराम हो जाता है, जिसकी मरीज को खास जरूरत होती है। जनरल वार्ड का तो एक नियम होता है कि आप मरीज को एक निश्चित समय पर आकर ही तकलीफ दे सकते हैं, किंतु प्राइवेट वार्ड, यह तो एक खुला निमंत्रण है कि “हे मेरे परिचितों, रिश्तेदारों, मित्रों! आओ, जब जी चाहे आओ, चाहे जितनी देर रुको, समय का कोई बंधन नहीं। अपने सारे बदले निकालने का यही वक्त है। बदले का बदला और हमदर्दी की हमदर्दी। मिलने वालों का खयाल आते ही मुझे लगा मेरी दूसरी टाँग भी टूट गई।

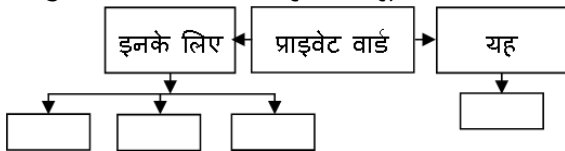
मुझसे मिलने के लिए सबसे पहले वे लोग आए जिनकी टाँग या कुछ और टूटने पर मैं कभी उनसे मिलने गया था, मानो वे इसी दिन का इंतजार कर रहे थे कि कब मेरी टाँग टूटे और कब वे अपना एहसान चुकाएँ। इनकी हमदर्दी में ये बात खास छिपी रहती है कि देख बेटा, वक्त सब पर आता है।

दर्द के मारे एक तो मरीज को वैसे ही नींद नहीं आती, यदि थोड़ी बहुत आ भी जाए तो मिलने वाले जगा देते हैं- खास कर वे लोग जो सिर्फ औपचारिकता निभाने आते हैं। इन्हें मरीज से हमदर्दी नहीं होती, ये सिर्फ सूरत दिखाने आते हैं। ऐसे में एक दिन मैंने तय किया कि आज कोई भी आए, मैं आँख नहीं खोलूँगा। चुपचाप पड़ा रहूँगा। ऑफिस के बड़े बाबू आए और मुझे सोया जानकर वापस जाने के बजाय वे सोचने लगे कि यदि मैंने उन्हें नहीं देखा तो कैसे पता चलेगा कि वे मिलने आए थे। अतः उन्होंने मुझे धीरे-धीरे हिलाना शुरू किया। फिर भी जब आँखें नहीं खुली तो उन्होंने मेरी टाँग के टूटे हिस्से को जोर से दबाया। मैंने दर्द के मारे कुछ चीखते हुए जब आँख खोली तो वे मुस्कराते हुए बोले- “कहिए अब दर्द कैसा है?”

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए:



A2) ..

2

घटनानुसार उचितक्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए।

- (1) कब वे अपना एहसान चुकाएँ।
- (2) मैं आँख नहीं खोलूँगा।
- (3) मरीज को खास जरूरत होती है।
- (4) बदले का बदला और हमदर्दी की हमदर्दी।

A3) ..

2

मुहावरे लिखिए।

(i) आंख -

(ii) टांग -

A4) ..

2

स्वमत :-

अस्पताल के मरीज को मिलने आने वालों से मरीज को होनेवाली तकलीफ का वर्णन 25 - 30 शब्दों में लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

पात्र

उमा-सुशिक्षित यवुती, **रामस्वरूप**-उमा के पिता, **प्रेमा**-उमा की माँ, **शंकर**-युवक, **गोपाल प्रसाद**-शंकर के पिता

रामस्वरूप: रतन-रामस्वरूप का नौकर

[एक कमरा। अंदर के दरवाजे से आते हुए जिन महाशय की पीठ नजर आ रही है, वह अधेड़ उम्र के हैं। एक तख्त को पकड़े हुए कमरे में आते हैं। तख्त का दूसरा सिरा उनके नौकर ने पकड़ रखा है।]

रामस्वरूप: अबे ! धीरे-धीरे चल।.... अब तख्त को उधर मोड़ दे... उधर। (तख्त के रखे जाने की आवाज आती है।)

रतन: बिछा दें साहब?

रामस्वरूप: (जरा तेज आवाज में) और क्या करेगा? परमात्मा के यहाँ अक्ल बँट रही थी तो तू देर से पहुँचा था क्या? ... बिछा दूँ साहब! ... और यह पसीना किसलिए बहाया है?

रतन: (तख्त बिछाता है) हीं-हीं-हीं।

रामस्वरूप: (दरी उठाते हुए) और बीबी जी के कमरे में से हारमोनियम उठा ला, और सितार भी।... जल्दी जा (रतन जाता है। पति-पत्नी तख्त पर दरी बिछाते हैं।)

प्रेमा: लेकिन वह तुम्हारी लाड़ली बेटी उमा तो मुँह फुलाए पड़ी है।

रामस्वरूप: क्या हुआ?

प्रेमा: तुम्हीं ने तो कहा था कि उसे ठीक-ठाक करके नीचे लाना।

रामस्वरूप: अरे हाँ, देखो, उमा से कह देना कि जरा करीने से आए। ये लोग जरा ऐसे ही हैं। खुद पढ़े-लिखे हैं, वकील हैं, सभा-सोसाइटियों में जाते हैं; मगर चाहते हैं कि लड़की ज्यादा पढ़ी-लिखी न हो।

प्रेमा: और लड़का ?

रामस्वरूप: बाप सेर है तो लड़का सवा सेर। बी.एस.सी. के बाद लखनऊ में ही तो पढ़ता है मेडिकल कॉलेज में। कहता है कि शादी का सवाल दूसरा है, पढ़ाई का दूसरा। क्या करूँ, मजबूरी है।

रतन: बाबू जी, बाबू जी! (धीमी आवाज में)

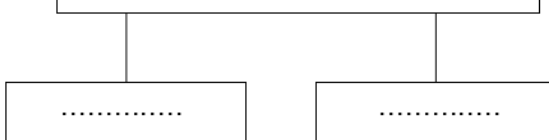
1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

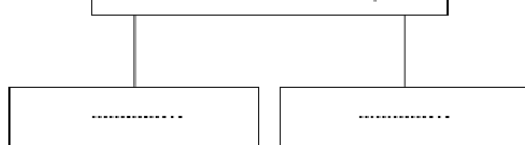
(i)

गद्यांश में आए शिक्षा से संबंधित दो नाम



(ii)

तख्त की विशेषता बताइए



A2) ..

2

निम्नलिखित शब्द के लिए प्रश्न लिखिये:

- (i) तख्त (ii) वकील

A3) ..

2

प्रथम प्रेरणार्थक द्वितीय प्रेरणार्थक मूल क्रिया।

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
चलना
स्वागत

A4) ..

2

स्वमत :-

“विवाह हिंदू धर्म का सबसे बड़ा संस्कार माना जाता है।”

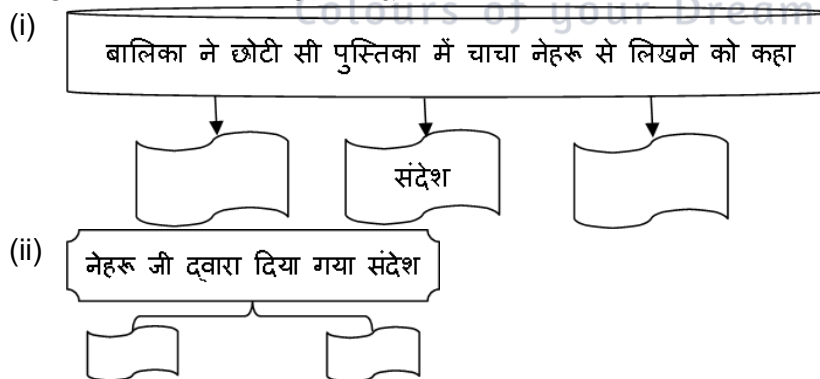
(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

चाचा नेहरू के जन्मदिवस को बालदिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बच्चों की टोलियाँ चाचा नेहरू से मिलने आती थी। एक बार एक बालिका ने अपनी एक छोटी सी पुस्तिका में चाचा नेहरू को ऑटोग्राफ के साथ – साथ संदेश और तारीख डालने का आग्रह किया। नेहरू जीने लिखा – जीवन में कभी हार न मानो। कठिनाइयों में भी हँसना सीखो इतना लिख कर अंग्रेजी में हस्ताक्षर कर उर्दू में तारीख लिख दी। बालिका ने कारण पूछा तो नेहरूजी ने कहा कि तुमने ही तो ऐसा करने के लिए कहा था। याद रखो, खिचड़ी भाषा बोलोगी तो खिचड़ी हस्ताक्षर ही पाओगी।

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

स्वमत:

‘हमें खिचड़ी भाषा के प्रयोग से बचना चाहिए’ इस पर अपने विचार लिखिए।

विभाग २ - पदय : 12 अंक

Q.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(6)

किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यहीं
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आए थे नहीं।.....

चरित थे पूत, भुजा में शक्ति, नम्रता रही सदा संपन्न
हृदय के गौरव में था गर्व, किसी को देख न सके विपन्न।

हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव
वचन में सत्य, हृदय में तेज, प्रतिज्ञा में रहती थी टेव।

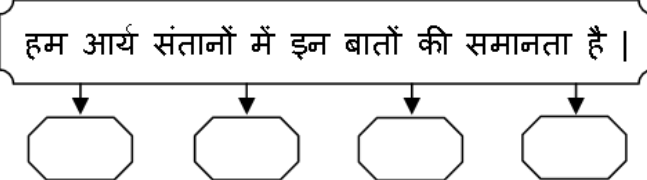
वही है रक्त, वही है देश, वही साहस है, वैसा ज्ञान
वही है शांति, वही है शक्ति, वही हम दिव्य आर्य संतान ।

जिएँ तो सदा इसी के लिए, यही अभिमान रहे यह हर्ष
निछावर कर दें हम सर्वस्व , हमारा प्यारा भारतवर्ष।

1 A1) ..

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

निम्नलिखित शब्दों के विशेषण रूप लिखिए।

(i) प्रकृति -। (ii) विश्व -

निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक संज्ञा रूप लिखिए।

(i) अतिथि -। (ii) विपन्न -

A3) ..

2

स्वमत :-

उपरोक्त पद्यांश में से अंतिम की 2 पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(6)

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
जाके सिर मोर मुकट, मेरो पति सोई
छाँड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई ?
संतन ढिग बैठि- बैठि, लोक लाज खोई ।
अँसुवन जल सींचि- सींचि प्रेम बेलि बोई ।
अब तो बेल फैल गई आणँद फल होई ॥
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से बिलोई ।
माखन जब काढ़ि लियो छाछ पिये कोई ॥
भगत देखि राजी हुई जगत देखि रोई ।
दासी 'मीरा' लाल गिरिधर तारो अब मोही ॥

1 A1) ..

2

उचित जोड़ियाँ मिलाइए:

'अ' - गट	'ब' - गट
i. मोर	क. मथनियाँ
ii. बेल	ख. मुकुट
iii. दूध	ग. गिरिधर
iv. मीरा	घ. फैल

A2) ..

2

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ परिच्छेद से पहचानकर लिखिए।

(i) वंश - (ii) पास -

ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्दों हो।

(i) मोर (ii) पति

A3) ..

2

स्वमत:

पद्यांश के प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

विभाग ३ - पूरक पठन : 8 अंक

Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(4)

खेती-बारी के समय, गाँव के किसान सिरचन की गिनती नहीं करते। लोग उसको बेकार ही नहीं, 'बेगार' समझते हैं। इसलिए खेत-खलिहान की मजदूरी के लिए कोई नहीं बुलाने जाता है सिरचन को। क्या होगा, उसको बुलाकर? दूसरे मजदूर खेत पहुँचकर एक-तिहाई काम कर चुकेंगे, तब कहीं सिरचन राय हाथ में खुरपी डुलाता हुआ दिखाई पड़ेगा; पगडंडी पर तौल-तौलकर पाँव रखता हुआ, धीरे-धीरे। मुफ्त में मजदूरी देनी हो तो और बात है।

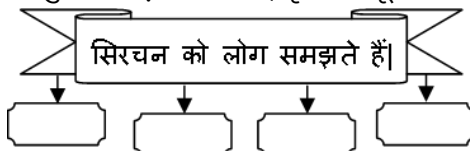
आज सिरचन को मुफ्तखोर, कामचोर या चटोर कह ले कोई। एक समय था, जब उसकी मड़ेया के पास बाबू लोगों की सवारियाँ बँधी रहती थीं। उसे लोग पूछते ही नहीं थे, उसकी खुशामद भी करते थे। "अरे, सिरचन भाई! अब तो तुम्हारे ही हाथ में यह कारीगरी रह गई है सारे इलाके में। एक दिन का समय निकालकर चलो। बड़े भैया की चिट्ठी आई है शहर से-सिरचन से एक जोड़ा चिक बनाकर भेज दो।"

मुझे याद है.. मेरी माँ जब कभी सिरचन को बुलाने के लिए कहती, मैं पहले ही पूछ लेता, "भोग क्या-क्या लगेगा?"

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :-



A2) ..

2

स्वमत :

"मजदूरों का सम्मान आप किस तरह से करते हैं।"

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(4)

भीतरी कुंठा आँखों के द्वार से आई बाहर ।	
	खारे जल से धुल गए विषाद मन पावन ।
मृत्यु को जीना जीवन विष पीना है जिजीविषा ।	
	मन की पीड़ा छाई बन बादल बरसी आँखें ।

1 A1) ..

2

उचित जोड़िया मिलाइए:

'अ' गट	'ब' गट
(1) भीतरी कुंठा आई बाहर	अ. मृत्यु को जीना।
(2) धुल गए विषाद मन पावन	ब. बरसीं आँखें।
(3) मन की पीड़ा छाई बन बादल	क. खारे जल से।
(4) जिजीविषा	ड. आँखों के द्वार से।

A2) ..

2

स्वमत:

उपर्युक्त पंक्तियों में छिपे केंद्रीय भाव को स्पष्ट कीजिए।

विभाग ४ - भाषा अध्धन (व्याकरण) : 14 अंक

Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :-

(1)

यह कोई छोटा मामला नहीं है।

(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों में से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :-

(1)

(i) परंतु

(ii) पास

(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :-

(1)

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i)	जल + आशय
ii)	अति + उक्ति

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए।

(1)

(i) अब तक असफलता हाथ आई थी।

(ii) उन्होंने फिर मौन धारण कर लिया।

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक रूप लिखिए। (1)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) बैठना
ii) देना

(6) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :- (1)

माँ को देखकर बच्चा अत्यंत प्रसन्न होगया।

(फूला न सामना, एकटक देखना, भेंट होना, बहिष्कार करना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए

1) चाँदनी में नहाना -

2) पूछताछ करना -

(7) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारको में से कोई एक कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। (1)

1) मेरे घर के सामने मंदिर है।

2) उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाएगा।

(8) निम्नलिखित वाक्यों में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए। (1)

1) मेरा मन पूछता है मनुष्य किस ओर बढ़ रहा है

2) अपने को संयम रखना दूसरे के मनो भावों का आदर करना मनुष्य का स्वधर्म है

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। (2)

(i) मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

(ii) जूलिया रो रही है। (सामान्य भूतकाल)

(iii) वह कुछ सोच रहा है। (सामान्य भूतकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :- (1)

काकी बुद्धिहीन होते हुए भी इतना जानती थी कि मैं वह काम कर रही हूँ।

ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्या अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए। (1)

1) साहित्यकार होने के कारण साहित्य चिंतन में विश्वास रखता हूँ। (संयुक्त वाक्य)

11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए। (2)

(iii) उन्होंने कबूतरबाजी की मैच देखी।

(ii) आज के शानदार मुलाकात के बाद बहुत आनंद मिली।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक

Q.5 (अ) (1) पत्र लेखन -

(5)

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए :-

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए।

अनिकेत/अनिशा सोनवणे, गांधी मार्ग, सांगली से मा. व्यवस्थापक, मीरा स्पोर्ट्स, आझाद चौक, सातारा को क्रिकेट खेल सामग्री की माँग करने हेतु पत्र लिखता / लिखती है।

OR

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए।

अंकिता/अंकित सांगळे, १११ स्टेशन रोड, लातूर से अपने मित्र/सहेली सुधीर/सुधा देशपांडे, किस्मत नगर, अकोला को नाट्य प्रतियोगिता में उत्कृष्ट अभिनय का पुरस्कार प्राप्त होने पर अभिनंदन करने हेतु पत्र लिखती/लिखता है।

(2) गद्य आकलन -

(4)

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-

स्वाधीन भारत में अभी तक अंग्रेजी हवाओं में कुछ लोग यह कहते मिलेंगे - जब तक विज्ञान और तकनीकी ग्रंथ हिंदी में न हो तब तक कैसे हिंदी में शिक्षा दी जाए। जब की स्वामी श्रद्धानंद स्वाधीनता से भी चालीस साल पहले गुरुकुल काँगड़ी में हिंदी के माध्यम से विज्ञान जैसे गहन विषयों की शिक्षा दे रहे थे। ग्रंथ भी हिंदी में थे और पढ़ाने वाले भी हिंदी के थे। जहाँ चाह होती है वही राह निकलती है। एक लंबे अरसे तक अंग्रेज गुरुकुल काँगड़ी को भी राष्ट्रीय आंदोलन का अभिन्न अंग मानते रहे। इसमें कोई संदेह भी नहीं कि गुरुकुल के स्नातकों में स्वाधीनता की अजीब तड़प थी। स्वामी श्रद्धानंद जैसा राष्ट्रीय नेता जिस गुरुकुल का संस्थापक हो और हिंदी शिक्षा का माध्यम हो; वही राष्ट्रीयता नहीं पनपेगी तो कहाँ पनपेगी। स्वामी जी से मिलने देश के प्रमुख राष्ट्रीय नेता भी गुरुकुल आते रहते थे।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन -

(5)

आपने अपने अभिभावक के साथ 'तीर्थयात्रा' की। इसका वृत्तांत लिखिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख करना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन -

(5)

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिए, और उचित शीर्षक दीजिए :-

एक भिखारी - दीनहीन - लक्ष्मी माता से प्रार्थना - लक्ष्मी प्रसन्न - वरदान - मुहरों की माँग - लालच - देवी की शर्त 'मुहरें ज़मीन पर गिरने पर मिट्टी हो जाएँगे।' - भिखारी की फटी-पुरानी झोली - झोली फैलाना - लक्ष्मी माता का मुहरें देना - लालच बढ़ना - झोली का भर जाना और फटना - मुहरों का बिखरना - सीख.

(2) विज्ञापन लेखन -

(5)

बाजार में बेचने के लिए पीने के पानी की बोतल का विज्ञापन तैयार कीजिए।

(5)

(इ) निबंध लेखन -

(7)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

- (1) बगीचे की सैर
- (2) मेरी प्रिय ऋतु
- (3) मैं मोबाइल बोल रहा हूँ

